भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-**110001**

सं. ईसीआई/प्रेस नोट/**83**/**2017** दिनांक : **3** नवम्बर, **2017**

प्रेस नोट

आईआईआईडीईएम में दो दिवसीय ब्रिज शोकेस तथा कार्यान्वयन कार्यशाला का आयोजन।

भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में **2** और **3** नवम्बर, **2017** को राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के मास्टर प्रशिक्षकों, प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) की फैकल्टी टीम तथा भारत निर्वाचन आयोग और आईआईआईडीईएम के स्टाफ के लिए दो दिवसीय ब्रिज प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

ब्रिज (बीआरआईडीजीई) का तात्पर्य है (बिल्डिंग रिसोर्स इन डेमोक्रेसी, गवर्नेन्स एण्ड इलेक्शन्स) अर्थात् लोकतंत्र, अभिशासन एवं निर्वाचनों में संसाधनों का निर्माण करना और यह एक माड्यूलर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम है जिसका केन्द्र बिन्दु निर्वाचन है। कार्यशाला को आस्ट्रेलियाई निर्वाचन आयोग (एईसी) तथा अंतराष्ट्रीय आईडीईए-दोनों ब्रिज साझेदार-सदस्यों द्वारा फेसिलीटेट किया गया था।

'ब्रिज शोकेस तथा कार्यान्वयन कार्यशाला' का उद्देश्य सहभागियों को ब्रिज की कार्यप्रणाली के बारे में बताना है एवं इस बारे में विचार-विमर्श और विवेचना करना है कि भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए भारत में ब्रिज कार्यक्रम का प्रयोग कैसे कर सकता है।

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त माननीय श्री अचल कुमार जोति सहभागियों को सम्बोधित करते हुए

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त, श्री अचल कुमार जोति ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री जोति ने सभी फेसिसीटेटर्स और सहभागियों का स्वागत किया तथा कहा कि वह आईआईडीईएम को ब्रिज का एक भाग और भविष्य में ब्रिज का साझेदार बनाने पर विचार कर रहे हैं।

श्री जोति ने सहभागियों से कहा कि निर्वाचनों में विभिन्न देश विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। उदाहरणस्वरूप **2014** में भारत में राष्ट्रीय निर्वाचनों में **814** मिलियन निर्वाचक थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर **868** मिलियन हो

गई है। अत:, कट एण्ड पेस्ट प्रोग्राम के बजाय मॉड्यूल को भारतीय संदर्भ के अनुसार अनुकूलित किया जाना है। उन्होंने सभी से सक्रिय रूप में भाग लेने और बहुमूल्य फीडबैक देने का आग्रह किया ताकि कोई लाभकारी परिणाम मिल सके।

भारत के निर्वाचन आयुक्त, श्री ओ.पी.रावत ने कहा कि विश्व के सभी देशों द्वारा ब्रिज कार्यप्रणाली की एकल स्वीकार्यता है, जो काफी दिलचस्प है। यह दर्शाता है कि ब्रिज यह मानता है कि प्रशिक्षण का संदर्भ भिन्न-भिन्न देशों के लिए भिन्न-भिन्न होना चाहिए। श्री रावत ने आशा व्यक्त की कि कार्यशाला में इच्छित लक्ष्य प्राप्त होगा।

भारत के उप-निर्वाचन आयुक्त श्री सुदीप जैन ने ब्रिज को एक अवलम्बित संगठन कहा और कहा कि यह एईसी के कार्यालय से प्रचालन करता है। तथापि, उन्होंने कहा कि वे 100 से अधिक देशों में कार्यक्रमों का संचालन करने में सक्षम रहे हैं। यह दर्शाता है कि उनकी कार्यप्रणाली बहुत अच्छी है। इस कार्यशाला पर विचार करने का उद्देश्य ज्ञान एवं जानकारी को प्रचालित करने की आवश्यकता और निर्वाचन प्रबन्धन में सुधार करना है। श्री जैन ने यह भी कहा कि वह बेहतर लोकतंत्र के लिए एक साथ कार्य करने के प्रति आशान्वित हैं।

श्री एरिक एस्पलुंद, अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए के प्रोग्राम ऑफिसर और सुश्री पेटा मैमो, एईसी की कार्यकारी निदेशक ने कहा कि यह कार्यशाला आपको ब्रिज कार्यप्रणाली की बेहतर व्यवहारिक जानकारी देने में मदद करेगी, साथ ही आपके वर्तमान प्रशिक्षण कार्यक्रम जो आप अपने अधिकारियों और अंतर्राष्ट्रीय आगुन्तकों को देते हैं, उसमें इज़ाफा करने और उसे ब्रिज के साथ मिलाने में भी मदद करेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला ब्रिज तथा ब्रिज परिवार में आईआईडीईएम का पहला आधिकारिक कदम होगा।

कार्यशाला के प्रथम दिन फेसिलीटेटर्स ने सहभागियों के लिए निर्वाचन प्रबंधन और चुनौतियों पर अनेक केस स्टडी और रोल प्लेयिंग गतिविधियों का आयोजन किया। मुख्य विषय, निर्वाचकीय सिद्धान्तों और ब्रिज प्रौढ़ शिक्षा सिद्धान्त का प्रयोग करते हुए प्रमुख क्षेत्रों के इर्द गिर्द घूमता रहा।

दूसरे दिन इस बात पर विस्तृत चर्चा हुई कि भारत निर्वाचन आयोग ब्रिज मॉड्यूल को किस प्रकार लागू कर सकता है। यह दिन भारत में ब्रिज कार्यक्रम के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के लिए प्रतिभागियों के साथ मिलकर आवश्यकता का मूल्यांकन करने पर केन्द्रित रहा।

(पवन दीवान)
अवर सचिव